*भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत दिनांक 25.09.2023 हाइब्रिड माध्यम से औषधीय पादपों की खेती, उत्पाद निर्माण एवं मूल्य संवर्धन विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ. विनय रंजन, कार्यालय प्रमुख, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, प्रयागराज द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम सचिव डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने संगोष्ठी की विषयवस्तु पर प्रकाश डाला। स्वागत भाषण में केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए पूर्वी उत्तर प्रदेश में औषधीय पादपों की खेती, उत्पाद निर्माण एवं मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने में केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा किये जा रहे सतत् प्रयासों पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डॉ. रंजन ने अपने व्याख्यान में औषधीय एवं सगंध पौधे–पहचान एवं उपयोग विषय के अंतर्गत औषधीय महत्व एवं उसके सुगंध की गुणवत्ता के उपयोग पर भी प्रकाश डाला। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों तथा ऑनलाइन माध्यम से जुड़ने वाले प्रतिभागियों को धन्यवाद् ज्ञापित किया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा केन्द्र से प्रकाशित विवरणिका का विमोचन भी किया गया। डॉ. हेमन्त कुमार, सहायक प्रोफेसर, शुआट्स द्वारा भारत में औषधीय पौधों की खेती, प्रसंस्करण तथा उपयोग पर चर्चा किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने आर्थिक समृद्धि हेतु सदाबहार की खेती पर अपने विचार प्रस्तुत किए। डॉ. नितिषा श्रीवास्तव, वनस्पति विद्, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण द्वारा औषधीय गुणों वाले खर–पतवार पर चर्चा किया गया। डॉ. दीपक गोंड, सीएमपी डिग्री कॉलेज द्वारा महत्वपूर्ण औषधीय पौधों की खेती और कटाई के बाद प्रबंधन पर विस्तृत चर्चा किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य एवं आजीविका सुरक्षा हेतु कोरांव में हर्बल गार्डेन की स्थापना पर अपना विचार प्रस्तुत किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रेम कुमार पटेल, पी.एफ.ए. अनुसंधान संस्थान, प्रयागराज ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। ऑनलाइन माध्यम से जुड़े डॉ. संजीव कुमार, बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बांदा के साथ डॉ. डी. राम, नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय, अयोध्या, डॉ. आदिनाथ, प्रोफेसर, नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ. नवीन कुमार बोरा, शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर तथा प्रदेश के विभिन्न संस्थानों से जुड़े शोधार्थियों ने अपने–अपने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सामूहिक चर्चा के अंतर्गत कुछ प्रश्नों के उत्तर दिए गए। कार्यक्रम के अन्त में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का सफल आयोजन में हरीश कुमार, अपर श्रेणी लिपिक का उत्तम सहयोग रहा। कार्यक्रम में केन्द्र के रतन कुमार गुप्ता, तकनीकी अधिकारी के साथ अन्य कर्मचारी गण एवं शोधार्थी आदि उपस्थित रहे।*

राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी
औषधीय पादपों की खेती, उत्पाद निर्माण एवं मूल्य संवर्धन
25 सितम्बर 2023
भा. वा. अ. शि. प.- पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र


राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी
औषधीय पादपों की खेती, उत्पाद निर्माण एवं मूल्य संवर्धन
25 सितम्बर 2023
भा. वा. अ. शि. प.- पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र
ICFRE


राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी
औषधीय पादपों की खेती, उत्पाद निर्माण एवं मूल्य संवर्धन
25 सितम्बर 2023
भा. वा. अ. शि. प.- पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र


राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी
औषधीय पादपों की खेती, उत्पाद निर्माण एवं मूल्य संवर्धन
25 सितम्बर 2023

# 'औषधीय पादपों की खेती, उत्पाद निर्माण एवं मूल्य संवर्धन' पर संगोष्ठी

प्रयागराज। हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा हाइब्रिड माध्यम से औषधीय पादपों की खेती, उत्पाद निर्माण एवं मूल्य संवर्धन विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ विनय रंजन ने औषधीय एवं सगंध पौधे की पहचान एवं उपयोग विषय के अंतर्गत औषधीय महत्व एवं मनुष्य के दैनिक जीवन में सुगंधित वस्तुओं में इन पौधों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर केन्द्र प्रमुख डॉ संजय सिंह ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में औषधीय पादपों की खेती, उत्पाद निर्माण एवं मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने में केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा किये जा रहे सतत प्रयासों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम सचिव वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अनुभा श्रीवास्तव ने संगोष्ठी पर प्रकाश डाला। केन्द्र की कनिष्ठ अनुसंधान सहायक संचिली वर्मा ने परिचय प्रस्तुत किया।

केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अनीता तोमर ने आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों तथा ऑनलाइन माध्यम से जुड़ने वाले प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही उपस्थित अतिथियों एवं वरिष्ठ वैज्ञानिकों के माध्यम से केन्द्र द्वारा प्रकाशित विवरणिका का विमोचन भी किया गया। डॉ हेमंत कुमार, सहायक प्रोफेसर, शुआट्स ने भारत में औषधीय पौधों की खेती, प्रसंस्करण तथा उपयोग पर चर्चा की। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अनुभा श्रीवास्तव ने आर्थिक समृद्धि हेतु सदाबहार की खेती पर अपने विचार प्रस्तुत किए। डॉ नितिषा श्रीवास्तव, वनस्पति विद्, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण द्वारा औषधीय गुणों वाले खरपतवार पर एवं डॉ दीपक गोंड सी.एम.पी डिग्री कॉलेज ने महत्वपूर्ण औषधीय पौधों की खेती और कटाई

के बाद प्रबंधन पर चर्चा की। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ कुमुद दूबे ने सामुदायिक स्वास्थ्य एवं आजीविका सुरक्षा हेतु कोरॉव में हर्बल गार्डन की स्थापना पर अपना विचार प्रस्तुत किया।

ऑनलाइन माध्यम से जुड़े कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय बाँदा के डॉ संजीव कुमार ने कृषि वानिकी में औषधीय एवं सुगंधित पौधों की सम्भावनाओं पर अपने सुझाव प्रस्तुत किए। डॉ डी0 राम, नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय, अयोध्या ने किसानों के आर्थिक लाभ हेतु औषधीय फसलों की आधुनिक खेती की पद्धति पर विस्तृत प्रकाश डाला। डॉ आदिनाथ, प्रोफेसर, नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने बेल के औषधीय गुणों पर चर्चा की। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर डॉ नवीन कुमार बोरा तथा प्रदेश के विभिन्न संस्थानों से जुड़े शोधार्थियों ने अपने-अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये।

कार्यक्रम में सामूहिक चर्चा के अंतर्गत कुछ प्रश्नों के उत्तर दिए गए। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ कुमुद दूबे ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का आयोजन हरीश कुमार, अपर श्रेणी लिपिक द्वारा किया गया। कार्यक्रम में केंद्र के रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, अम्बूज कुमार के साथ अन्य कर्मचारी एवं शोधार्थी आदि उपस्थित रहे।

# 'औषधीय पौधों का हमारे जीवन में खास महत्व'

**पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र में हाइब्रिड माध्यम से औषधीय पादपों की खेती, उत्पाद निर्माण एवं मूल्य संवर्धन पर आयोजित संगोष्ठी में विवरणिका का विमोचन हुआ।**

**प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता।** वन अनुसंधान केंद्र में हिंदी पखवाड़ा के तहत सोमवार को औषधीय पादपों की खेती, उत्पाद निर्माण व मूल्य संवर्धन विषय पर एक दिवसीय गोष्ठी हुई। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के कार्यालय प्रमुख डॉ. विनय रंजन ने औषधीय पौधों के जीवन में महत्व पर प्रकाश डाला। सुगंधित पौधों से आय की जानकारी दी।

शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. विनय रंजन व वन अनुसंधान केंद्र के प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर

- **वन अनुसंधान केंद्र में आयोजित गोष्ठी**
- **सुगंधित पौधों से आय बढ़ाने की दी जानकारी**

किया। केंद्र प्रमुख ने अतिथियों का स्वागत किया। पूर्वी उत्तर प्रदेश में औषधीय पादपों की खेती, उत्पाद निर्माण व मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने में केंद्र के वैज्ञानिकों के काम को बताया। डॉ. अनीता तोमर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। विवरणिका का विमोचन भी किया गया।

# औषधीय पादपों की खेती, उत्पाद निर्माण एवं मूल्य संवर्धन पर संगोष्ठी सम्पन्न

**कार्यालय संवाददाता**

प्रयागराज। आज हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा हाइब्रिड माध्यम से औषधीय पादपों की खेती, उत्पाद निर्माण एवं मूल्य संवर्धन विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ0 विनय रंजन, कार्यालय प्रमुख, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, प्रयागराज तथा केन्द्र प्रमुख डॉ0 संजय सिंह के साथ अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम सचिव डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने संगोष्ठी की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। स्वागत भाषण में केन्द्र प्रमुख डॉ0 सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए पूर्वी उत्तर प्रदेश में औषधीय पादपों की खेती, उत्पाद निर्माण एवं मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने में केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा किये

जा रहे सतत प्रयासों पर प्रकाश डाला। केन्द्र की कनिष्ठ अनुसंधान सहायक संचिली वर्मा द्वारा मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि डॉ0 विनय रंजन ने अपने व्याख्यान में औषधीय एवं सगंध पौधे - पहचान एवं उपयोग विषय के अंतर्गत औषधीय महत्व एवं मनुष्य के दैनिक जीवन में सुगंधित वस्तुओं में इन पौधों की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 अनीता तोमर ने आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों तथा ऑनलाइन माध्यम से जुड़ने वाले प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया साथ ही उपस्थित अतिथियों एवं वरिष्ठ वैज्ञानिकों के माध्यम से केन्द्र द्वारा प्रकाशित विवरणिका का विमोचन भी किया गया। डॉ0 हेमंत कुमार, सहायक प्रोफेसर, शुआट्स द्वारा भारत में औषधीय पौधों की खेती, प्रसंस्करण तथा उपयोग पर चर्चा किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव ने आर्थिक समृद्धि हेतु सदाबहार की खेती पर अपने विचार प्रस्तुत किए। डॉ0 नितिषा श्रीवास्तव, वनस्पति विद, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण द्वारा औषधीय गुणों वाले खरपतवार पर चर्चा किया गया। डॉ0 दीपक गोंड, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज द्वारा महत्वपूर्ण औषधीय पौधों की खेती और कटाई के बाद प्रबंधन पर विस्तृत चर्चा किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 कुमुद दूबे द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य एवं आजीविका सुरक्षा हेतु कोरॉव में हर्बल गार्डन की स्थापना पर अपना विचार प्रस्तुत किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रेम कुमार पटेल, पी0ए0फ0ए0 अनुसंधान संस्थान, प्रयागराज ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। ऑनलाइन माध्यम से जुड़े डॉ0 संजीव कुमार, बाँदा, कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने कृषिवानिकी में औषधीय एवं सुगंधित पौधों की सम्भावनाओं पर अपने सुझाव प्रस्तुत किए। डॉ0 डी0 राम, नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय, अयोध्या द्वारा किसानों के आर्थिक लाभ हेतु औषधीय फसलों की आधुनिक खेती की पद्धति पर विस्तृत प्रकाश डाला। डॉ0 आदिनाथ, प्रोफेसर, नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने बेल के औषधीय गुणों पर चर्चा किया। डॉ0 नवीन कुमार बोरा, शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर तथा प्रदेश के विभिन्न संस्थानों से जुड़े शोधार्थियों ने अपने-अपने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सामूहिक चर्चा के अंतर्गत कुछ प्रश्नों के उत्तर दिए गए। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 कुमुद दूबे द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का सफल आयोजन हरीश कुमार, अपर श्रेणी लिपिक द्वारा किया गया। कार्यक्रम में केंद्र के रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, अम्बूज कुमार के साथ अन्य कर्मचारी एवं शोधार्थी आदि उपस्थित रहे।

अमर उजाला

# औषधीय पादपों की खेती पर चर्चा

प्रयागराज। हिन्दी पखवाड़ा के क्रम में भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद के पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र में सोमवार को हाइब्रिड माध्यम से औषधीय पादपों की खेती, उत्पाद निर्माण एवं मूल्य संवर्धन विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

शुभारंभ मुख्य अतिथि भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के कार्यालय प्रमुख डॉ.विनय रंजन व केंद्र प्रमुख डॉ.संजय सिंह ने दीप किया। सचिव डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने संगोष्ठी के विषय पर प्रकाश डाला। केंद्र प्रमुख डॉ. सिंह ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में औषधीय पादपों की खेती, उत्पाद निर्माण एवं मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने में केंद्र के वैज्ञानिकों की ओर से किए जाने वाले प्रयासों के बारे में जानकारी साझा की।

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.अनीता तोमर, शुआट्स के सहायक प्रोफेसर डॉ. हेमंत कुमार, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण की वनस्पति विद डॉ.नितिषा श्रीवास्तव, सीएमपी कॉलेज के डॉ. दीपक गोंड, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, पीएफए अनुसंधान संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रेम कुमार पटेल ने भी विचार व्यक्त किए।

वहीं, ऑनलाइन माध्यम से कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्विविद्यालय बांदा के डॉ.संजीव कुमार, नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय अयोध्या के डॉ.डी राम आदि ने भी अपने विचार रखे। संवाद